

वर्ष 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना

प्रलिस के लिये:

वर्ष 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना, [आर्थिक सहयोग और विकास संगठन \(OECD\)](#), वर्ष 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने की ओर एक नीतिपरिदृश्य विश्लेषण, [प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतर-सरकारी वार्ता समिति \(INC3\)](#)।

मेन्स के लिये:

वर्ष 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना, पर्यावरण प्रदूषण और गरीब।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [आर्थिक सहयोग और विकास संगठन \(OECD\)](#) ने अंतर-सरकारी वार्ता समिति (INC3) से पहले प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतरिम रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक है- **वर्ष 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने की ओर: एक नीतिपरिदृश्य विश्लेषण**।

- प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतरराष्ट्रीय बाध्यकारी समझौते के लिये INC3 को नवंबर 2023 में नैरोबी, केन्या में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले INC2 को जून 2023 में पेरिस, फ्रांस में आयोजित किया गया था।

नोट: अंतरिम रिपोर्ट एक प्रारंभिक या आंशिक रिपोर्ट को संदर्भित करती है जो पूर्ण या अंतिम रिपोर्ट के पूरा होने से पहले जारी की जाती है। यह एक दस्तावेज़ है जो किसी विशेष विषय या परियोजना पर प्रारंभिक नबिर्ष, विश्लेषण या प्रगति को प्रस्तुत करता है।

रिपोर्ट के मुख्य बडि क्या हैं?

- वर्तमान स्थिति:**
 - वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर **21 मिलियन टन (MT) प्लास्टिक का पर्यावरण में रसाव हो गया**।
 - सामान्य व्यवसाय परिदृश्य**, जहाँ कोई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन नहीं किया जाता है, में प्लास्टिक का उपयोग बढ़ जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2040 तक **मैक्रोप्लास्टिक रसाव में 50% की वृद्धि** होगी।
 - इसका अर्थ होगा **लगभग 30 मीटरिक टन प्लास्टिक का पर्यावरण में रसाव हो जाएगा**, जिसमें से 9 मीटरिक टन जलीय वातावरण में प्रवेश कर जाएगा।
- अनुमानित परिदृश्य :**
 - प्राथमिक प्लास्टिक का उपयोग वर्ष 2020 के स्तर पर वर्ष 2040 तक स्थिर करने के परिणामस्वरूप वर्ष 2040 तक **महत्त्वपूर्ण प्लास्टिक रसाव (12 मीटरिक टन) होगा**।
 - हालाँकि महत्त्वाकांक्षी वैश्विक कार्रवाई परिदृश्य अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम कर सकता है, कुप्रबंधित कचरे को लगभग समाप्त कर सकता है और वर्ष 2040 तक प्लास्टिक रसाव को लगभग समाप्त कर सकता है।
- बढ़ते प्लास्टिक उपयोग का प्रभाव:**
 - प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग और नपिटान से पर्यावरण (आवास वनिश, मटिटी प्रदूषण), जलवायु (ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान) तथा मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, **जिससे प्लास्टिक प्रदूषण के पहले की अपेक्षा और गंभीर परिणाम होंगे**।
 - प्लास्टिक विभिन्न प्रकार के **जीवन चक्र प्रभाव उत्पन्न** करता है, जिसमें कुल वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में **3.8% का योगदान (2022 में 1.9 GtCO₂ e)** शामिल है।
- कार्रवाई की लागत:**
 - शीघ्र, कठोर और समन्वित नीतित गित कार्रवाई के साथ वैश्विक महत्त्वाकांक्षा वर्ष 2040 में प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन को

बेसलाइन से एक-चौथाई तक कम कर सकती है।

- यह वर्ष 2040 तक (119 से 4 मीटरकि टन तक) **कुप्रबंधित अपशष्टि को वस्तुतः समाप्त कर सकती है**, परिणामस्वरूप, प्लास्टिक रसाव भी लगभग समाप्त (वर्ष 2040 में 1.2 मीटरकि टन) हो जाएगा।
 - हालाँकि **नदियों और महासागरों में प्लास्टिक का सटॉक वर्ष 2020 के 152 मीटरकि टन से बढ़कर वर्ष 2040 में 226 मीटरकि टन** (बेसलाइन से 74 मीटरकि टन कम) होने का अनुमान है।
- वर्ष 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण से नपिटने के लिये **महत्त्वाकांक्षी वैश्विक कार्रवाइयों पर वर्ष 2040 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 0.5% खर्च** आएगा।
- हालाँकि इन लागतों में नषिकरयिता की टाली गई लागत शामिल नहीं है और इसे व्यापक रूप से बेहतर पर्यावरणीय परिणामों के संदर्भ में देखा जाना चाहिये।
- **वर्तितीय आवश्यकताएँ:**
 - कम **उन्नत अपशष्टि प्रबंधन प्रणालियों** वाले तेज़ी से बढ़ते देशों में अपशष्टि संग्रहण, छँटाई और उपचार के लिये महत्त्वपूर्ण नविश (2020 और 2040 के बीच 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक) की आवश्यकता होगी।
 - लागतों के असमान वितरण के कारण अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को महत्त्वपूर्ण माना जाता है।
- **सफ़िरशैं:**
 - इसके पूरे जीवनचक्र में प्लास्टिक प्रदूषण से नपिटने के लिये एकव्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए **वभिन्नि नीतगित परदृश्यों** की आवश्यकता है।
 - वर्ष 2040 तक प्लास्टिक रसाव को खत्म करने के लिये तकनीकी और आर्थिक बाधाओं पर काबू पाना आवश्यक है।
 - पुनरचक्रण की **सफलताएँ और स्क्रैप तथा द्वतीयक प्लास्टिक के लिये अच्छी तरह से काम करने** वाले अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों को बढ़ाना महत्त्वपूर्ण रणनीतियाँ हैं।

अंतर-सरकारी वार्ता समिति (INC) क्या है?

- **परचिय:**
 - INC की स्थापना फरवरी 2022 में **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEA-5.2)** के 5वें सत्र में हुई थी।
 - UNEA **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** का शासी नकियाय है।
 - वर्ष 2024 के अंत तक वार्ता को पूरा करने की महत्त्वाकांक्षा के साथ समुद्री पर्यावरण सहति प्लास्टिक प्रदूषण पर एक अंतर्राष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी उपकरण वकिसति करने के लिये ऐतहिसकि संकल्प (5/14) को अपनाया गया था।
 - INC1 का पहला सत्र **वर्ष 2022 में उरुग्वे** में आयोजति कयिया गया था।
- **आवश्यकता:**
 - **प्लास्टिक प्रदूषण का तेज़ी से बढ़ता सत्र** एक गंभीर वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दे का प्रतनिधित्व करता है जो सतत् वकिस के पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थय आयामों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।
 - आवश्यक हस्तकषेणों के अभाव में जलीय पारस्थितिक तंत्र में प्रवेश करने वाले प्लास्टिक कचरे की मात्रा वर्ष 2016 में लगभग 9-14 मलियन टन प्रतविरष से बढ़कर वर्ष 2040 तक अनुमानति 23-37 मलियन टन प्रतविरष हो सकती है।
- **उद्देशय:**
 - **कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौते** के तहत देशों से अपेक्षा की जाएगी कवे साधन के उद्देश्यों में योगदान करने के लिये देश-संचालति दृष्टिकोणों को दरशाते हुए राष्ट्रीय कार्ययोजनाओं को वकिसति, कार्यानवति और अद्यतन करें।
 - उनसे प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम, कमी और उन्मूलन की दशिया में काम करने तथा कषेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का समर्थन करने के लिये राष्ट्रीय कार्ययोजनाओं को बढ़ावा देने की उम्मीद की जाएगी।

प्लास्टिक प्रदूषण से नपिटने हेतु क्या पहल हैं?

- **भारतीय पहल:**
 - **प्लास्टिक अपशष्टि प्रबंधन संशोधन नयिम, 2022**
 - **वसितारति उत्पादक उत्तरदायतिव (EPR)**
 - **एकल उपयोग प्लास्टिक के उन्मूलन और प्लास्टिक अपशष्टि प्रबंधन पर राष्ट्रीय डैशबोरड**
 - **इंडिया प्लास्टिक पैकट**
 - **प्रोजेक्ट रपिलान**
- **वैश्विक पहल:**
 - **एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर यूरोपीय संघ का नरिदेश**
 - **कलोज़गि द लुप**
 - **द ग्लोबल ट्रज़िम प्लास्टिक इनशिएटिवि**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. पर्यावरण में नरिमुक्त हो जाने वाली 'सूक्ष्म मणकियाओं (माइक्रोबीड्स)' के वषिय में अत्यधिक चति कयों है? (2019)

(a) ये समुद्री पारतित्नों के लिये हानिकारक मानी जाती हैं।

- (b) ये बच्चों में त्वचा कैंसर होने का कारण मानी जाती हैं।
(c) ये इतनी छोटी होती हैं कि संचित कृषेत्रों में फसल पादपों द्वारा अवशोषित हो जाती हैं।
(d) अक्सर इनका इस्तेमाल खाद्य पदार्थों में मलियावट के लिये किया जाता है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सूक्ष्म मणिकाएँ (माइक्रोबीड्स) छोटे, ठोस प्लास्टिक के कण हैं जिनका आकार 5 ममी. से छोटा होता है और जल में नमिनीकृत या वयिोजति नहीं होते हैं।
 - मुख्य रूप से पॉलीथीन से बने माइक्रोबीड्स को पेट्रोकेमिकल प्लास्टिक जैसे- पॉलीस्टाइरीन और पॉलीप्रोपाइलीन से भी तैयार किया जा सकता है। उन्हें उत्पादों की एक शृंखला में जोड़ा जा सकता है, जसिमें सौंदर्य प्रसाधन, व्यक्तगत देखभाल तथा सफाई उत्पाद शामिल हैं।
- माइक्रोबीड्स अपने छोटे आकार के कारण सीवेज उपचार प्रणाली के माध्यम से अनफिल्टर्ड होने के कारण जल नकियों तक पहुँच जाते हैं। जल नकियों में अनुपचारित माइक्रोबीड्स समुद्री जीवों द्वारा ग्रहण कर लिये जाते हैं एवं इस प्रकार वषिकृता उत्पन्न करते हैं तथा समुद्री पारस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाते हैं।
 - वर्ष 2014 में कॉस्मेटिक्स माइक्रोबीड्स पर प्रतबिंध लगाने वाला नीदरलैंड पहला देश बन गया।

अतः विकल्प (A) सही उत्तर है।

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/eliminating-plastic-pollution-by-2040>

